delay in laying the papers mentioned at (a) above. [Placed in Library. *See* No. LT-1692/92]

(ii) Thirty-fifth Annual Report on the working and Administration of the Companies Act, 1956, for the year ended 31st March, 1991, under section 638 of the said Act. [Placed in Library. *See* No. LT-1691/92]

Report of Committee on Jharkhand matters

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M.M. JACOB): Madam I lay on the Table the report of the Committee on Jharkhand matters.

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदया, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

उपसभापति: वह ले कर रहे हैं।

श्री प्रमोद महाजन: मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

उपसभापति: क्या?

श्री प्रमोद महाजन: महोदया, आज की कार्यावलि में जो सभा पटल पर रखे जाने वाले पत्र हैं उनमें ...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY: (Pondicherry): The Law Minister is here. I would like to ask a question on the environment...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is something else...*(Interruptions)*

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि विषय सूची में सभा पटल पर रखे जाने वाले पत्रों में आज केवल श्री अशोक गहलौत, श्री एम०एम० जैकब और श्री रंगराजन कुमारमंगलम की ओर से केवल तीन मुद्दों का इसमें समावेश है। अभी-अभी मैंने सुना कि आपने जैकब साहब को कोई पेपर ले करने के लिये कहा है तो मैं स्वाभाविक रूप से जानना चाहता हूं कि कार्यसूची में जिसका उल्लेख नहीं है, वह ऐसा कौन-सा पेपर है जो सदस्यों को बताये बिना चुपके से सभा पटल पर रखने का प्रयास किया जा रहा है।

उपसभापति: चुपके से नहीं, खुला हाउस में रखा जा रहा है।

श्री प्रमोद महाजन: महोदया, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह पेपर कौन-सा है, यह कौन-सी रिपोर्ट है? इसकी हिन्दी अंग्रेजी दोनों की कापियां हैं या नहीं है? इसकी जानकारी देने के बाद ही वे ले करने की बात करें।

उपसभापति: एम०एम० जेकब साहब ने चेयरमैन साहब से अनुमति मांगी है। मैं आपको लेटर पढ़कर बता देती हूं: It is addressed to the Chairman, Rajya Sabha. "Sir, I may please be allowed to lay the report of the Committee on Jharkhand Mukti Morcha, the English version, in the House today immediately after the Question Hour. It is requested to kindly grant me permission to lay the Hindi version shortly." M.M. Jacob.

यह झारखंड कमेटी है, उसके बारे में है।

श्री प्रमोद महाजन: इसकी हिन्दी क्यों नहीं दे रहे हैं, उसका कारण देना अनिवार्य है और दूसरा झारखंड के संबंध में किसी प्रकार की अगर रिपोर्ट आ रही है, जिसकी कल चर्चा हुई, तो इस रिपोर्ट पर इस सदन में चर्चा होनी चाहिये। इस पर, झारखण्ड के संबंध में होम मिनिस्टर का स्टेटमेंट आना चाहिये। यह सारा कुछ छोड़कर एक रिपोर्ट दे रहे हैं। यह किस की रिपोर्ट है, कौन-सी कमेटी की रिपोर्ट है, जानकारी न देते हुए अचानक इस प्रकार रखना अच्छा नहीं होगा।

सभापति : मैं पूछकर बताती हूं।

श्री प्रमोद महाजन : वह इसकी हिन्दी कापी क्यों नहीं दे रहे हैं?

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब बता रहे हैं। जयंती आप बैठेंगी, होम मिनिस्टर साहब बोल रहे हैं।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN) : I had some kind of a discussion with the representative of Jhkarkhand Mukti Morcha. This report, the expert committee's report, was the internal report of the Home Ministry and it was not necessary on the part of the Home Ministry to place it on the Table of the House at all. But one of the issues which was discussed with them on Saturday was that this report should be placed on the Table of the House to which I conceded that I had no objection and that I would place that on the Table of the House. Yesterday was a Sunday. It was impossible to translate the whole thing into Hindi and that is why we sought the permission both from the Speaker, Lok Sabha and the Chairman. The only point is, it will require some time to translate it

[Shri S.B. Chavan]
into Hindi. Otherwise, it will be violating the assurance that I had given to Jharkhand Mukti Morcha. In order to defuse the situation, I had to do it.

उपसभापति: यह बहुत बड़ी रिपोर्ट है। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस० बी० चव्हाण: एक आदमी बात करे। अगर दस आदमी बात करेंगे तो क्या बताऊं आपको।

उपसभापति: अगर एक मेंबर बात करे, तो एक ही मिनिस्टर साहब को जवाब देना है, तो बात ऐसी करें जिससे उनकी समझ में आ जाये। अगर चार लोग साथ बोलोगे तो मेरी भी समझ में नहीं आयेगा।

श्री प्रमोद महाजन: उपसभापति महोदया, मेरा यह कहना है कि वहां की मांग के अनुसार यहां रिपोर्ट रख रहे हैं तो रिपोर्ट रखने में हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन झारखंड के संबंध में वहां इतनी सारी चर्चा हुई है। इस चर्चा के संबंध में क्या गृह मंत्री जी इस सदन को विश्वास में ले कर कोई वक्तव्य देंगे, सदन को बतायेंगे कि क्या हो रहा है? वहां जो वचन दिया वह पूरा कर रहे हैं, इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। हिन्दी वर्शन नहीं आ सका, यह भी समझ में आता है लेकिन सदन में विचार कब होगा क्योंकि राज्य सभा के सत्र में केवल चार दिन बचे हैं (**व्यवधान**)

श्री एस० बी० चव्हाण: दूसरा कोई वचन नहीं दिया है। उन्होंने यह मांग की थी इसलिए यह एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट सदन में रखी है। चार मुख्य मंत्रियों की फिर से मीटिंग यहां पर दिल्ली में होगी उसमें (**व्यवधान**)

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Why is he not making a statement on that?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please let him finish first.

SHRI S.B. CHAVAN: I cannot make a statement on that because we have not yet come to a conclusion. It is just at a preliminary stage. At this stage it will not be possible for me to react to anything. After the four Chief Ministers meet, then a number a parties who are involved in this will also have to be invited for a discussion. And then the final round of talks...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): I am on a point of order...

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH (Bihar): It is a serious matter.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I am on a point of order...

*[ ] Transliteration in Arabic script.

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, one person at a time. *(Interruptions)*

I say one person at a time, not all of your together.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamilnadu): I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please wait. One at a time.

श्री सिकन्दर बख्त (मध्य प्रदेश): सदर साहेबा, एक मसला चल रहा है और अभी किसी कनक्लूज़न पर नहीं पहुंचे हैं तो ऐसे कागज़ को हाऊस में रखने का क्या मतलब हुआ (**व्यवधान**)

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ - ایک مسئلہ چل رہا ہے اور ابھی کسی کنکلوزن پر نہیں پہونچے ہیں تو ایسے کاغذ کو ہاؤس میں رکھنے کا کیا مطلب ہوا... مداخلت

*[**श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहुलवालिया:** उपसभापति महोदया, बोडोलैंड पर भी एक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट है, क्या उसको भी सदन के पटल पर रखने के लिए सोच रहे हैं या नहीं। बिहार में 12 जिलों को जोड़ कर जो बनाया जा रहा है, अखबारों में भी छपा है, अगर यहां संसद में इस पर थोड़ा विचार हो जाता, तर्कवितर्क हो जाता, चर्चा हो जाती तो बहुत अच्छा होता (**व्यवधान**) उसके बाद बिहार के चीफ मिनिस्टर के साथ बात की जाती तो यह फायदेमंद होता।

श्री शंकर दयाल सिंह: मैं भी सरकार से यह कहना चाहता हूं कि यह झारखंड का मामला बड़ा गम्भीर मामला है (**व्यवधान**)

उपसभापति: अब आपत्ति तो उन्होंने दूर कर दी है। (**व्यवधान**)

श्री प्रमोद महाजन: झारखंड वालों ने यह कहा था कि रिपोर्ट सदन के पटल पर रखो, इसका मतलब यह है झारखंड वाले भी चाहते हैं कि इस पर संसद में चर्चा हो। (**व्यवधान**)

श्री शंकर दयाल सिंह: अखबारों में यह सब बातें आ रही हैं। इस पर गृह मंत्री जी का बयान भी आया है और इस पर चर्चा भी होनी चाहिए। (**व्यवधान**)

उपसभापति: मैं जो समझ पाई हूं वह यह है (**व्यवधान**) होम मिनिस्टर साहब की चर्चा शनिवार को हुई उसके बाद रविवार था। सब जगह अवकाश था। इसलिए इस रिपोर्ट का हिन्दी वर्शन नहीं आ सका। (**व्यवधान**) दूसरा वह कह रहे हैं कि अभी उनकी बात कम्पलीट नहीं हुई है। रिपोर्ट कम्पलीट हो गई है इसलिए रिपोर्ट उन्होंने यहां रख दी है। जब बात कम्पलीट हो जाएगी तो वह भी आपको बता देंगे। (**व्यवधान**)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: जितनी बातचीत हुई वह सदन को बात दीजिये ((**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: On a point of order, Madam,....

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Once a report is placed on

the Table of the House, it is a public document and we must discuss it.

SHRI S. B. CHAVAN: I have no objection for having any kind of discussion on the report which is placed on the Table of the House. But since there was an economic blockade there, we wanted to defuse the situation. Therefore, please don't try to read anything between the lines. In fact, it was an assurance I had given to them and in order to honour that assurance I am placing it before the House. I would request you, you can raise a discussion but not till the talks have been held.

श्री शंकर दयाल सिंह: उपसभापति महोदया, मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि जब भी इस सदन में कोई गम्भीर बात आ रही है तो यह कहा जा रहा है कि हिन्दी वर्शन उपलब्ध नहीं है। मैं कहता हूं कि धारा 3(3) के अनुसार आज तक कभी इसका उललंघन नहीं होता था। पिछले दिनों जब आयोध्या का मसला आया तो गृह मंत्री ने यही कहा कि हिन्दी अनुवाद उपलब्ध नहीं है। आज भी कह रहे हैं। यह तो सरकार का फेलयर है। मैं समझता हूं मौलिक रूप से आप हिन्दी में क्यों नहीं तैयार करवाते हैं। अगर आपको जरूरत हो तो मैं अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हूं। लेकिन यह तो कोई जवाब नहीं हुआ। बिहार के एक हिस्से में आग लगी हुई है। झारखंड का मामला बहुत गम्भीर मामला है। हम चाहते हैं कि राज्य सभा के सदस्यों को बुला कर के इस संबंध में एक बात गृह मंत्री को कह देनी चाहिये। **(व्यवधान)**

इसलिए महोदया, हमारा यह कहना है कि झारखंड समस्या को जिस गम्भीरता के साथ लिया जाना चाहिए उस गम्भीरता के साथ सरकार नहीं ले रही है। इसके बाद मैं माननीय गृह मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि हिंदी का बहाना नहीं होना चाहिए **(व्यवधान)**

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I am on a point of order.... *(Interruptions)*...

श्री शंकर दयाल सिंह: आपका वह विभाग है। अगर राजभाषा विभाग की गलती है तो....**(व्यवधान)**

नियुक्तियां कीजिए.... **(व्यवधान)** यह तो अनुवाद ब्यूरो विभाग की गलती है **(व्यवधान)**

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): The Hindi-speaking people should understand the feelings of the non-Hindi-speaking people.... *(Interruptions)*

उपसभापति: एक मिनट रुकिये **(व्यवधान)** मैं बताती हूं **(व्यवधान)**

श्री दयानन्द सहाय (बिहार): महोदया, बिहार टूट रहा है और ये हिंदी और अंग्रेजी का झगड़ा कर रहे हैं। यह कोई ऐसा डिसकशन नहीं है। यह इक्नामिक ब्लाकेड है। बिहार प्रांत टूट रहा है और झगड़ा यह हो रहा है। हिंदी और अंग्रेजी में हो रहा है। बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि **(व्यवधान)** We have to say this with pain *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Very unfortunate, very unfortunate. He has already said about it, he has already explained it... *(Interruptions)*... Madam, I am on my point of order.. *(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल (उत्तर प्रदेश): वह बैंक इस हालत में पहुंच गया है कि बंद हो जाएगा। उनके इम्प्लायीज को तनख्वाह नहीं मिल रही है। **(व्यवधान)**

उपसभापति: आप बैठ जाइय **(व्यवधान)** आपको मैंने आइडेंटीफाई नहीं किया है। झारखंड की रिपोर्ट आ गयी है। अब आप इस पर आगे क्या बोलने वाले हैं...**(व्यवधान)** आज बिजिनेस इडवाइजरी कमेटी की मीटिंग शाम को है। क्योंकि आज शाम को मीटिंग है, आज शाम को डिसकस कर लीजिएगा कि कितना टाइम चाहिए। **(व्यवधान)**

श्री अश्विनी कुमार (बिहार): उपसभापति महोदया, मेरा निवेदन है कि वहां इक्नामिक ब्लाकेड हुआ है। सही बात है कि इक्नामिक ब्लाकेड हुआ है। क्यों हुआ, कैसे हुआ, इसके **(व्यवधान)** रीजन हैं। अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ बात की जा रही है तो वही एक पार्टी वहां छोटा नागपुर से चुनकर नहीं आई। भारतीय जनता पार्टी के भी पांच लोक लोकसभा में सदस्य हैं, कांग्रेस पार्टी के भी हैं। कांग्रेस के प्रतिनिधि यहां बैठे हैं। अन्य पार्टीज को हटा कर आप यह संदेश देना चाहते हैं कि जो इक्नामिक ब्लाकेड करेगा उससे आप अकेले बात करेंगे। यह कौन से संविधान के तहत है। सबको बाइपास करना नियम के विरुद्ध है। दूसरा मेरा इसके साथ जुड़ा हुआ प्रश्न है कि झारखंड अलग प्रांत बने इसके लिए बिहार विधान सभा ने कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया है। उत्तर प्रदेश, नेपाल इत्यादि में उत्तरांचल की मांग है। क्या गृह मंत्री जी चाहते हैं कि उत्तरांचल में भी ब्लाकेड हो, बसें फूंकी जाएं, तब ये बात करेंगे। बात करने का कोई नियम बनायें। मेरा आग्रह होगा कि होम मिनिस्टर साहब यहां डिबेट करने के बाद फिर कोई बातचीत करें नहीं तो यह एकतरफा बातचीत होगी जिसके कारण और आग लगेगी। मैं आगाह करना चाहता हूं। मैं मांग करता हूं कि गृह मंत्री महोदय इस पर **(व्यवधान)** वक्तव्य करें। **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदय, बिहार के जंगल राज को, जंगली राज को समाप्त करने की कुछ कोशिश होगी या नहीं होगी। मैं कई दिनों से यह मामला उठा रहा हूं। बिहार में जिस तरह से जंगल राज सड़कों पर चल रहा है यह बहुत ही गम्भीर मामला है। शनिवार के दिन, हमारे कांग्रेस के एम०एल०ए० हेमन्त साही को गुरोल? ब्लाक के राजेन्द्र महतो, सरकिल इन्सपेक्टर ने उनके घर पर जाकर उनको न्योता दिया। उनके घर न्योता देकर आफिस में बुलाया। जब वे आफिस में आये तो वहां पर कुछ गुंडा तत्व और लालू यादव के समर्थक बंदूक लेकर उपस्थित थे और हेमन्त साही को जो वैशाली? के एम०एल०ए० हैं, प्वाइंट ब्लैंक रेंज पर गोली मार दी। महोदया, वे मुजफ्फरपुर के नरसिंग होम में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। शर्म की बात यह है कि सरकिल इंस्पेक्टर के दफ्तर के अंदर अपने आर्म्स और अन्युनिशंस लेकर लोग मौजूद थे और इस सरकिल इंस्पेक्टर ने हेमन्त साही को घर से बुलाकर कहा कि एक छोटी सी प्राब्लम है आप अगर मीटिंग में उपस्थित रहेंगे तो समस्त सवाल समाप्त हो जाएगा महोदया, जब हमन्त साही उस दफ्तर में पुहंचे तो प्वाइंट ब्लैंक रेंज पर बंदूक लगाकर गोली मार दी गयी। इसलिए बिहार का मसला इस तरह से नहीं सुलझेगा। वहां के स्पीकर साहब ने दो एम०एल०एज० को सस्पेंड किया। पूरी कांग्रेस पार्टी के वहां खत्म करने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ होकर बैठे हुए हैं।

महोदया, **(व्यवधान)** और इस आर्डर पर, स्पीकर के आर्डर पर **(व्यवधान)** और वहां का स्पीकर भी हाई कोर्ट के आदेश को मानने के लिए तैयार नहीं है। मेघालय के स्पीकर ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया था, उसी तरह बिहार का स्पीकर भी पटना हाई कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन कर रहा है। महोदया, एक तरफ लालू प्रसाद के गुंडे वहां के एम०एल०एज० को गोलियों का निशाना बना रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... महोदया, आपने पिछले दिनों देखा है कि यहां पर जनवरी के महीने में प्रिज़ाइडिंग आफिसर्स की कांफ्रेंस हुई थी, उसमें निर्णय लिया गया था कि लेजिस्लेटिव और ज्यूडिशयरी के बीच में कोई झगड़ा नहीं लगेगा, इसके बावजूद बिहार के स्पीकर ने वहां के हाई कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया है और उसके साथ-साथ जब वे ...**(व्यवधान)**... तो हमारी और हमारे एम०एल०एज० की सुरक्षा नहीं है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि बिहार के कांग्रेस के सदस्यों की सुरक्षा की व्यवस्था केन्द्रीय सरकार की तरफ से की जाए और उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाए। मैं आपसे मांग करता हूं कि सरकार हेमन्त साही पर गोली चलाने वाले पर सी०बी०आई० की इन्क्वायरी चलाए और सदन में एक बयान दे और बताए सदन में कि किस अवस्था में ये सब घटनाएं घटी हैं, लालू यादव का आतंक, लालू यादव का अत्याचार, लालू यादव का भ्रष्टाचार, लालू यादव की गुंडागर्दी वहां चलने नहीं दी जाएगी। **(व्यवधान)** महोदया, हम मांग करते हैं कि सरकार इस पर एक बयान दे और बताए ...**(व्यवधान)**... वहां पर एम०एल०एज० की हत्याएं की जा रही हैं। **(व्यवधान)**

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश): यह इस बात का प्रमाण है और इसलिए केन्द्रीय सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: महोदया, आप सरकार को डायरेक्ट करें कि एक एम०एल०ए० **(व्यवधान)**...

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): महोदया, विधायकों को गोली मारना बहुत चिंता का विषय है और श्री हेमन्त साही को जिस तरह से बुलाकर, वहां के सी०ओ० के कमरे में लालू यादव के समर्थकों ने जिस तरह से गोली मारी है, यह बड़ा ही चिंताजनक विषय है।...

THE DEPUTY CHAIRMAN: We have the Budget to discuss, the Kashmir Budget. *(Interruptions)*

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: पूरे विपक्ष को बिहार ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: अहलुवालिया जी, बैठिए। प्लीज़ सिट डाउन। अहलुवालिया जी, बैठिए। **(व्यवधान)**...

श्री रंजन प्रसाद यादव (बिहार): वहां हेमन्त साही किसलिए गए थे, वहां ...**(व्यवधान)**...

डा० रत्नाकर पाण्डेय: यह जो समर्थन कर रहे हैं बिहार में, यह लालू यादव के प्रतिनिधि के रूप में कर रहे हैं, इसको रिकार्ड किया जाए।

श्री राम नरेश यादव: महोदया, यह बड़ा गंभीर मामला है। इसलिए होम मिनिस्टर को इस घटना के बारे में रिएक्शन करना चाहिए। सरकार क्या करने जा रही है। ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: यादव जी, बैठिए।

श्री अश्विनी कुमार: होम मिनिस्टर रिएक्ट करें और एक पार्लियामेंटरी कमेटी भेजें बिहार में जांच करने के लिए।

उपसभापति: होम मिनिस्टर बयान दें कि अगर एम०एम०एज० के ऊपर सरकारी दफ्तर में गोली चल रही है तो यह बड़ा सीरियस मामला है। एम०एल०ए० पर गोली चली, ...*(Interruptions)* Just a minute, please *(Interruptions)* It is a very serious matter. But it is a State matter. The State has to look after the protection of MLAs. And States should look after the protection of all the people—not only of MLAs and MPs. But if in any Government office an MLA has been

shot, it is a serious matter. A note should be taken of it by the Government. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: मैडम, मेरी आपसे दरख्वास्त है (व्यवधान)

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): मैडम, बड़ा गंभीर मामला है, मैं आपकी इजाज़त चाहता हूं।...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't know ये क्या रुपए की बात कर रहे हैं?

*__श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल:__ मैडम, मुझे इजाजत दी जाए।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل ۔ میڈم مجھے اجازت دیجائے۔

उपसभापति: आप अखबार रख दीजिए।

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: मैडम, यह एक गंभीर मसला है। एक-एक किसान से 10 हजार, 5 हजार वसूल करने के लिए सरकार जिस तरह से कदम उठाती है, उसके नतीजे में उत्तर प्रदेश में गरीब लोग अपने घर और देहात छोड़-छोड़कर भागे हैं, लेकिन शर्म का मकाम यह है कि न्यू बैंक आॅफ इंडिया के जो मैनेजिंग डायरेक्टर थे, एक्स चैयरमेन थे मि॰ रमेश चन्द्र सुनेजा, सी॰बी॰आई॰ ने उनको चार्ज किया है। दो हजार करोड़ रुपए का फ्रा॰ड उस अकेले शख्स ने किया है। उसके रिश्तेदार इनवाल्व है (व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए, यह बहुत अहम मसला है। आपको एकोनोमिक क्रायसिस की बड़ी फिक्र रहती है। सिर्फ एक बैंक के अंदर दो हजार करोड़ रुपए का फ्रा॰ड हुआ है। सी॰बी॰आई॰ ने इस पर चार्ज लगाया है।

DEPUTY CHAIRMAN: I cannot permit you to make a speech.

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: मैडम गरीब लोगों से 5 हजार, 10 हजार रुपए का कर्जा वसूल करने के लिए उनके घरों की तलाशी ली जाती है। उन्हें पुलिस परेशान करती है, कोर्ट से उनके खिलाफ आ॰डर लिए जाते हैं। गरीब लोग अपने मकान छोड़-छोड़कर भागे हैं। मैडम, दिल्ली के अंदर एक बेवा औरत है जिसके खाविंद ने 8 हजार रुपया एक बैंक से उधार लिया था, वह इत्फाक से एक हादसे में मर गया। वह औरत जिसकी कि उम्र सिर्फ 25 साल है और जिसके 5 छोटे-छोटे बच्चे हैं, अभी तीन दिन पहले मेरे पास आयी थी। उसको बैंक के अफसरान, उसको पुलिस के लोग, उसको कोर्ट के लोग और जिसने उसकी गारंटी दी थी जोकि उस इलाके का जरा बड़ा आदमी है, वे उस औरत को ले जाकर हरास कर रहे हैं। मैडम, एक तरफ तो यह हाल है और दूसरी तरफ एक मैनेजिंग डायरेक्टर, अगर आप सुनें और इजाजत दें।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل ۔ میڈم یہ ایک گمبھیر مسئلہ ہے ۔ ایک ایک کسان سے دس ہزار پانچ ہزار وصول کرنے کیلئے حکومت جسطرح سے قدم اٹھاتی ہے ۔ اسکا نتیجے میں اتر پردیش میں غریب لوگ اپنے گھر اور دیہات چھوڑ کر بھاگ رہے ہیں ۔ لیکن شرم کا مقام یہ ہے کہ نیو بینک آف انڈیا کے مینیجنگ ڈائریکٹر جو تھے ۔ ایکس چیئرمین تھے مسٹر رمیش چندر سنیجا ۔ سی ۔ بی ۔ آئی نے انکو چارج کیا ہے ۔ دو ہزار کروڑ روپیہ کا فراڈ اس اکیلے شخص نے کیا ہے ۔ اسکے رشتہ دار انوالو ہیں ... مداخلت ... آپ میری بات سنیئے یہ بہت اہم مسئلہ ہے ۔ آپکو اکونومک کرائسس کی بڑی فکر رہتی ہے ۔ صرف ایک بینک کے اندر دو ہزار کروڑ روپیہ کروڑ روپیے کا فراڈ ہوا ہے ۔ سی ۔ بی ۔ آئی نے اسپر چارج لگایا ہے ۔ مداخلت ۔ میڈم غریب لوگوں سے پانچ ہزار ۔ دس ہزار روپیے کا قرضہ وصول کرنے کیلئے انکے گھروں کی تلاشی لی جاتی ہے ۔ انہیں پولیس پریشان کرتی ہے ۔ کورٹ سے انکے خلاف آرڈر لئے جاتے ہیں ۔ غریب لوگ اپنے مکان چھوڑ چھوڑ کر بھاگے ہیں ۔ میڈم دلی کے اندر ایک بیوہ عورت ہے جسکے خاوند نے آٹھ ہزار روپیے ایک بینک سے اُدھار لیا تھا ۔ وہ اتفاق سے ایک حادثہ میں مر گیا ۔ وہ عورت جسکی کہ عمر صرف پچیس سال ہے ۔ اور جسکے پانچ پانچ چھوٹے چھوٹے بچے ہیں ۔ ابھی تین دن پہلے میرے پاس آئی تھی ۔ اسکو بینک کے افسران ۔ اسکو پولیس کے لوگ ۔ اسکو کورٹ کے لوگ اور جسنے اسکی گارنٹی دی تھی جو کہ اس علاقہ کا ایک بڑا آدمی ہے ۔ وہ اس عورت کو لیجا کر ہراس کر رہے ہیں ۔ میڈم ایک طرف یہ حال ہے اور دوسری طرف ایک مینیجنگ ڈائریکٹر ۔ اگر آپ سنیں اور اجازت دیں

उपसभापति: मैं आपको इजाजत नहीं दे सकती।

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: लाखों रुपया उसका बैंक में डिपाजिट है।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل ۔ لاکھوں روپیہ اسکا بینک میں ڈپازٹ ہے ۔

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: मैडम, बैंक के अंदर एम्प्लाइज को इस वक्त तनख्वाह नहीं मिल रही है। वह परेशान है। यह बैंक बंद करने की कगार पर आ गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार की तवज्जो दिलाना चाहता हूं। सिर्फ इसी बैंक में नहीं

شری محمد افضل عرف م۔ افضل ۔ میڈم بینک کے اندر ایمپلائز کو اس وقت تنخواہ نہیں مل رہی ہے ۔ وہ پریشان ہے ۔ یہ بینک بند کرنے کی کگار پر آگیا ہے ۔ میں آپکے مادھیم سے سرکار کی توجہ دلانا چاہتا ہوں ۔ صرف اس بینک میں نہیں ۔

उपसभापति: ठीक है, मंत्री जी बैठे हैं, वह सुन रहे हैं।

*[ ] Transliteration in Arabic script.

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: दूसरे बैंकों के अंदर भी लाखों-करोड़ों रुपए का फ्रॉड हो रहा है।

شری محمد افضل عرف م - افضل : دوسرے بینکوں کے اندر بھی لاکھوں اور کروڑوں روپیہ کا فراڈ ہو رہا ہے -

उपसभापति: मंत्री जी बैठे हैं, वह ध्यान देंगे। मंत्रीजी ध्यान देंगे, आप बैठिए।

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, मध्यप्रदेश की भा०ज०पा० सरकार ने प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में

उपसभापति: बैठिए। **(व्यवधान)**

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, मुझे इजाजत दीजिए।

उपसभापति: क्या मामला है?

श्री सुरेश पचौरी: उन्हें बिठाइए मैडम।

उपसभापति: मैं नहीं बिठा सकती।

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने, प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम से सारे बाचनों के अध्ययन-अध्यापन तुरंत प्रभाव से समाप्त करने के आदेश दिए हैं। मेरे पास उस आदेश की प्रति है। **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will not allow.

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, 28 फरवरी, 1992 को शिक्षा विभाग [श्री सुरेश पचौरी]

ने एक आदेश जारी किया जिसके अनुसार जो माध्यमिक कक्षाएं हैं, तीसरी से आठवीं तक की, तत्काल प्रभाव से उनकी विषय सूची में से महात्मा गांधी, अब्राहम लिंकन, महावीर स्वामी, हज़रत मोहम्मद साहब, ईसा मसीह को अलग करने के आदेश दिए गए हैं। मैडम, यह एक बहुत गंभीर मामला है। महात्मा गांधी का आदर्श देश की नई पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्हें सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाता है। अगर हमारे इतिहास को इस तरीके से नष्ट करने का प्रयास किया जाएगा तो उसके लिए उस राज्य सरकार पर अंकुश लगाने के लिए केन्द्र सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। ये सहायक वाचक संबंधी जो आदेश जारी किए गए हैं और विषय सूची में आचार्य बिनोबा भावे, जवाहर लाल नेहरू, विश्व कवि रवीन्द्र नाथ ठाकुर, अब्राहम लिंकन, महावीर स्वामी को न पढ़ाने के आदेश जारी किए हैं, मेरे पास उस आदेश की कॉपी है, महोदया, 28 फरवरी, 1992 के जो आदेश हैं। उसमें इस बात का उल्लेख है कि राज्य शासन के निर्णयानुसार कक्षा तीन से आठ तक चल रही सहायक वाचनों की पुस्तकों का अध्ययन-अध्यापन तुरन्त प्रभाव से समाप्त किया जाता है।

मैडम, यह बहुत गम्भीर मामला है। इस हिटलरशाही आदेश को, भारतीय जनता पार्टी के हिटलरशाही आदेश को तुरन्त जो है, रद्द करना चाहिए। केन्द्रीय सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। केन्द्र सरकार भारतीय जनता पार्टी को निर्देशित करके इस आदेश को रद्द कराए। यह अमानवीय है। भारतीय जनता पार्टी, जिस पर यह इल्जाम है कि महात्मा गांधी की हत्या करवाई थी, यह महात्मा गांधी की जीवनी को पाठ्यक्रम से हटाना चाहती है। इसके साथ-साथ महापुरुषों की जीवन गाथाएं, यह नहीं चाहती कि कोई पढ़े।.....**(व्यवधान)**.....

उपसभापति: प्लीज। होम मिनिस्टर साहब जरा कुछ बोल रहे हैं।...**(व्यवधान)**...बैठिए। होम मिनिस्टर साहब, कुछ बोले। **(व्यवधान)** प्लीज। प्लीज आप बैठिए। लीडर आफ द हाऊस बोल रहे हैं। आप बैठिए। बैठ जाइए। बैठिए। आप बैठिए। बैठ जाइए। बैठ जाइए। बैठिए। मैं आपसे...**(व्यवधान)**...

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश): मैडम **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting. यह बोल रहे हैं, मेरी अनुमति के बगैर। बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... जब भी लीडर आफ द हाऊस खड़े हों तो सुन लेना चाहिए।

श्री कैलाश नारायण सारंग: मैडम, कभी-कभी हम करते हैं।

उपसभापति: कभी भी मत किया करिए तो अच्छा लगेगा।

SHRI S.B. CHAVAN: Madam, in regard to this charge against the Madhya Pradesh Government, if that is true, it is a very serious matter. That is why I will pass on this information to my colleague, the Minister of Human Resource Development and request him to find out what the facts are and then come before the House.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: The Home Minister is only efficient where BJP Governments are involved. *(Interruptions)*

SHRI ASHWANI KUMAR: What about the Bihar Government? Why are you silent about it? *(Interruptions)* Politically-motivated Home Minister. *(Interruptions)*

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): इसकी जल्दी जांच होनी चाहिए।

उपसभापति: आप बैठिए, सत्या बहिन। इतना काफी है।

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, the Home Minister said that he would come forward with a statement before the House on the Nagaland issue. It is a burning problem. The Congress Party has got the majority *(Interruptions)*. Let Mr. Khyomo Lotha raise the issue. The Home Minister should also come forward with a statement before the Hosue. *(Interruptions)*

श्री मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): मैडम, यहां नाथू राम गोडसे को पढ़ाया गया, कातिलों को पढ़ाया गया। ...**(व्यवधान)**... पहले कातिलों को पढ़ाया, अब हिंदुस्तान की आवाम को ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: अच्छा, बैठिए। आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... आडवाणी जी उस हाऊस के गणमान्य सदस्य हैं, लीडर हैं आपोजीशन के, उनका नाम इस हाऊस में नहीं लिया जाए। ....**(व्यवधान)**.... हमारे कोई तरीके हैं, उन सभ्यताओं को हम कभी नहीं छोड़ेंगे।

RE:DISSOLUTION OF NAGALAND ASSEMBLY

SHRI KHYOMO LOTHA (Nagaland): Madam Deputy Chairman, I cannot shout.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is why I am permitting you.

SHRI KHYOMO LOTHA: I am retiring. Therefore, this may be my last speech. Kindly give me the privilege to stand in the front line and speak.